प्रेस विज्ञप्ति

"एक- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद" के नवीन विचार को प्रोत्साहित करने हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के परिसर में नव वर्ष 2023 के समारोह का आयोजन एक अनोखी पहल के साथ किया गया। जिसमें पूसा संस्थान, के साथ-साथ नजदीकी संस्थानों जैसे कि- राष्ट्रीय पादप संसाधन ब्यूरो, राष्ट्रीय पादप जैवप्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी एवं नीति अनुसंधान संस्थान, भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली एवं राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल के निदेशक, वैज्ञानिकगण तथा स्टाफ ने हिस्सा लिया। इस समारोह के मुख्य उद्देश्य स्टाफ में खेल द्वारा सौहार्द्र-पूर्ण व्यवहार का विकास एवं वैज्ञानिकों में आने वाली चुनौतियों हेतु तकनीकी विकास एवं प्रसार के लिए संकल्प लेना था। भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अनु.सं, नई दिल्ली द्वारा नववर्ष के उपलक्ष्य में दिनांक 02 जनवरी, 2023 को अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भा.कृ.अनु. परिषद के सचिव, डेयर व महानिदेशक, डॉ. हिमांशु पाठक द्वारा की गई। डॉ. विश्वनाथन चिन्नुसामी, संयुक्त निदेशक (अनुसंधान) ने स्वागत भाषण दिया। इस कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ. अशोक कुमार सिंह ने इस नई पहल की विशेष प्रशंसा की। उन्होंने कृषि के विकास में पूसा संस्थान की अहम् भूमिका का आश्वासन दिया| इस कार्यक्रम में दूरस्थ विभिन्न संस्थानों के 550 लोगों ने ऑनलाइन रूप से भाग लिया।

डॉ. हिमांशु पाठक, महानिदेशक ने सभी उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए नववर्ष की शुभकामनाएं दी एवं परिषद के सभी संस्थानों को एकजुट होकर चलने के लिए प्रेरित किया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की उपलब्धियों का वर्णन करते हुए उन्होंने बताया कि गत वर्ष में सस्य फसलों की 467 किस्में, औद्यानिक फसलों की 122 किस्में विमोचित की गई जिनमें 18 बायोफोर्टीफाइड किस्में भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त मवेशियों की लम्पी त्वचा रोग हेतु स्वदेशी टीका (वैक्सीन) का भी आविष्कार किया गया जिसका वर्ष 2023 में वाणिज्यक स्तर पर पूरे देश में उपलब्ध कराया जाएगा। मात्स्यिकी संभाग ने कई टीकों के आविष्कार के अतिरिक्त तीन मछली प्रजातियों के प्रजनन एवं मूल्यसंवर्धन तकनीक के वाणिज्यकरण किए हैं। साथ ही कृषि अभियांत्रिकी संभाग द्वारा 88 नई मशीनों का विकास किया गया। कृषि प्रसार को अधिक प्रभावी बनाने के प्रयास में 07 नए कृषि विज्ञान केंद्र प्रारम्भ किए गए जिनकी अब संख्या बढ़कर 731 हो गई है। महानिदेशक ने बताया कि इस वर्ष को अंतरराष्ट्रीय कदन्न वर्ष (International year of millets) घोषित किया गया है तथा सभी संस्थान इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सतत भागीदारी करें। महानिदेशक ने अपने उद्बोधन में परिषद के सभी संस्थानों से विशेष आग्रह किया कि वे अपना शोध कार्यक्रम परियोजना आधारित, उत्पाद उन्मुख एवं प्रसार केंद्रित करने के लिए अग्रसर हों| तत्पश्चात संस्थान की नवीन वेबसाइट का लोकार्पण माननीय सचिव डेयर व महानिदेशक (भा.कृ.अनु.प.) के कर कमलों द्वारा किया गया। साथ ही साथ उनके द्वारा पूसा संस्थान में चार स्नातक कार्यक्रमों (यथा कृषि, जैवप्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी, कम्युनिटी साइंस) की शुरूआत की घोषणा भी की गई| साथ ही साथ उन्होंने घोषणा कि स्नातक कार्यक्रम को समय से प्रारम्भ किए जाने हेतु प्रवेश परीक्षा अब से विश्वविद्यालीन सामान्य प्रवेश परिक्षा (सी.यू.ई.टी.) के माध्यम से आयोजित की जाएगी। इस कार्यक्रम के अंतर्गत एग्री राइज़ पुस्तक एवं एफ.ए.एम.एस.सी.जे. पोर्टल का विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत क्रिकेट मैच से हुई जिसमें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एवं भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के खिलाड़ियों ने भाग लिया। सर्वप्रथम भा.कृ.अनु.प. टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। तदुपरांत टीम भा.कृ.अनु.प. ने कुल 71 रन बनाकर 08 विकेट से विजयी बनी। भा.कृ.अनु.परिषद के श्री अभय कुमार मैन ऑफ द मैच रहे।

इसी के साथ-साथ 100 मीटर दौड़ का भी आयोजन किया गया। जिसमें श्री शरण बसप्पा, भा.सां.अनु.सं.(IASRI), श्री अभय सिंह, भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय, श्री सुदर्शन, भा.कृ.अनु.सं. (IARI) 100 मीटर दौड़ में क्रमश: प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर रहे। इस कार्यक्रम में श्री संजय गर्ग, अतिरिक्त सचिव, डेयर एवं सचिव, भा,कृ.अनु.प., सुश्री अलका नागिंया अरोड़ा, अतिरिक्त सचिव, डेयर एवं वित्त सलाहकार, डॉ.आर.सी. अग्रवाल, उपमहानिदेशक (शिक्षा), डा. जयकृष्ण जेना, उप महानिदेशक (मात्स्यिकी), डा. भूपेन्द्र नाथ त्रिपाठी, उप महानिदेशक (पशु विज्ञान) डॉ. उधम सिंह गौतम, उप महानिदेशक (कृषि विस्तार) भा.कृ.अनु.प., डॉ.जी.पी.सिंह, निदेशक, राष्ट्रीय पादप संसाधन ब्यूरो, नई दिल्ली, डॉ. ए.के. शासनी, निदेशक, राष्ट्रीय पादप जैवप्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, डॉ पी.एस.बर्थल, निदेशक, राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी एवं नीति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, डॉ. सुभाष चन्द्र, निदेशक, राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसंधान केंद्र डॉ. धीर सिंह, निदेशक, राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल भी उपस्थित रहे।

उक्त कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। यह पुरस्कार कोटक महिंद्रा बैंक द्वारा प्रायोजित किए गए। संयुक्त निदेशक (शिक्षा) एवं डीन, स्नातकोत्तर विद्यालय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।